

1.	स्वयं रंजना कुमारी	BHSPK 4803R	शुण्य	शुण्य
2.	पति या पत्नी शुषमा कुमारी	DJJPK 3242K	शुण्य	शुण्य
3.	आश्रित-1 रंजना कुमारी	शुण्य	शुण्य	शुण्य
4.	आश्रित-2 श्रीराम कुलशर्मा	शुण्य	शुण्य	शुण्य
5.	आश्रित-3 शुशील शिवम संतानु शिवम	शुण्य	शुण्य	शुण्य

(i) मैं ऐसे किसी लंबित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त नहीं हूँ जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए हैं।

यदि अभिसाक्षी ऐसे किसी अपराध (अपराधों) का /की अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा/करेगी :-

(ii) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरुद्ध लंबित है जिसमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/ किए गए हैं।



	मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याओं सहित संबंधित पुलिस थाना/जिला/राज्य के पूर्ण ब्यौरे	शुण्य
	संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए आरोपित किया गया है	शुण्य
(ग)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	शुण्य
(घ)	न्यायालय, जिसके (जिनके) द्वारा आरोप (आरोपों) की विरचना की गई	शुण्य
(ड)	तारीख (तारीखें) जिनको आरोप विरचित किए गए थे	शुण्य
(च)	क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई	शुण्य



है/हैं	25/07	25/07
--------	-------	-------

(ii) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरुद्ध लंबित है/हैं जिनमें न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया गया है [पूर्वोक्त

मदद (i) में वर्णित मामलों से भिन्न]:-

(क)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	25/07
(ख)	उन मामलों के ब्यौरे जहां न्यायालय ने संज्ञान लिया है, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए संज्ञान लिया गया है	25/07
(ग)	पूर्वोक्त आदेश (आदेशों) के विरुद्ध पुनरीक्षण के लिए फाइल की गई अपील (अपीलों)/आवेदन (आवेदनों) (यदि कोई हों) के ब्यौरे	25/07

(6) मुझे किसी अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43)की धारा 8 की धारा (1) या उपधारा (2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अंतर्गत आने वाले किसी अपराध (अपराधों) से भिन्न, के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है/नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिए कारावास का दंडादेश दिया गया है/नहीं दिया गया है :

यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया गया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा:

निम्नलिखित मामलों में मुझे सिद्धदोष ठहराया गया है और न्यायालय द्वारा कारावास का दंडादेश दिया गया है :

(क)	उन मामलों के ब्यौरे, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए सिद्धदोष ठहराया गया है	25/07
(ख)	न्यायालय (न्यायालयों) का नाम, मामला संख्या और आदेश (आदेशों) की तारीख (तारीखें)	25/07



(ग)	अधिमोपित दंड	शून्य
(घ)	क्या सिद्धदोष ठहराने के आदेश के विरुद्ध कोई अपील फाइल की गई थी/है। यदि हां, तो अपील के ब्यौरे और वर्तमान प्रास्थिति	शून्य

(7) मैं मेरे, मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितों की आस्तियों (जंगम और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे देता हूँ

अ. जंगम आस्तियों के ब्यौरे :

टिप्पण 1 - संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2 - जमा/विनिधान की दशा में क्रम सं., रकम, जमा की तारीख, स्कीम, बैंक/संस्था का नाम और शाखा सहित ब्यौरे दिए जाने हैं।

टिप्पण 3 - सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंधपत्रों/शेयर डिबेंचरों का मूल्य स्टॉक एक्सचेंजों में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

टिप्पण 4 - यहां आश्रित का वही अर्थ है जो उसका लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 75 के अधीन स्पष्टीकरण (5) में है।

टिप्पण 5 - रकम सहित ब्यौरे प्रत्येक विनिधान के संबंध में पृथकतया दिए जाने हैं।



विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित - 1	आश्रित - 2	आश्रित - 3
(i) हाथ में नकदी	50,000	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii) बैंक खातों में जमा के ब्यौरे (नियत जमा, आवधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी हैं), वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियों और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम	1,50,000	20,000	शून्य	शून्य	शून्य
(iii) कंपनियों/ पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबेंचरों/शेयरों तथा यूनिटों	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य



	है (हां या नहीं)	2304	2304	2304	2304	2304
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	2304	2304	2304	2304	2304
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	2304	2304	2304	2304	2304
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	2304	2304	2304	2304	2304
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	2304	2304	2304	2304	2304
(ii)	गैर कृषि भूमि : अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ)	2304	2304	2304	2304	2304
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)		2304	2304	2304	2304
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	2304	2304	2304	2304	2304
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	2304	2304	2304	2304	2304
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	2304	2304	2304	2304	2304
	विकास संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	2304	2304	2304	2304	2304
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	2304	2304	2304	2304	2304
(iii)	वणिज्यिक भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ)	2304	2304	2304	2304	2304
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	2304	2304	2304	2304	2304
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	2304	2304	2304	2304	2304
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	2304	2304	2304	2304	2304
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	2304	2304	2304	2304	2304
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	2304	2304	2304	2304	2304
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से संपत्ति पर कोई विनिधान	2304	2304	2304	2304	2304
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	2304	2304	2304	2304	2304



Arun Prasad
Notary (Nalanda)

(IV)	आवासीय भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितियां) संख्यांक (संख्याएं)	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
	स्वअर्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
(V)	अन्य (जैसे कि संपत्ति में हित)	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
(VI)	पूर्वोक्त (i) से (v) का कुल चालू बाजार मूल्य	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध



व्यक्ति वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति दायित्वों/को शोध्यों के ब्यौरे नीचे देता हूँ :-

(टिप्पणी: कृपया बैंक, संस्था, निकाय या व्यक्ति के नाम और उनमें प्रत्येक के समक्ष रकम के ब्यौरों का प्रत्येक विवरण दें)

क्र० सं०	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित -1	आश्रित -2	आश्रित -3
(i)	बैंक/वित्तीय संस्था (संस्थाओं को ऋण या शोध्य बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया, रकम, ऋण की प्रकृति)	शुद्ध	25,000 रकम 250 25 फरवरी	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
	पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यष्टिकों, निकाय को ऋण या शोध्य नाम, बकाया, रकम, ऋण की प्रकृति	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
	कोई अन्य दायित्व	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
	दायित्वों का कुल योग	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध



(ii)	सरकारी शोध्य : सरकारी आवास से बरतने वाले विभागों को शोध्य	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क
	जल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क
	विद्युत आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क
	टेलीफोन/मोबाईल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क
	सरकारी परिवहन (वायुयान और हेलिकाप्टर सहित) से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क
	आय-कर शोध्य	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क
	घनकर शोध्य	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क
	सेवाकर शोध्य	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क
	नगरपालिका/संपत्ति कर शोध्य	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क
	विक्रयकर शोध्य	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क
	कोई अन्य शोध्य	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क
(iii)	सभी सरकारी शोध्यों का कुल योग	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क
	क्या कोई अन्य दायित्व विवादाधीन है, यदि हां तो अतिरिक्त रकम और उस प्राधिकारी जिसके समक्ष यह लिखित है का वर्णन करें।	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क	शुल्क

(9) वृत्ति या उपजीविका के ब्यौरे :

(क) स्वयं राम राम सेवा

(ख) पति या पत्नी निर्माणीत शिक्षा

(10) मेरी शैक्षिक अर्हता नीचे दिये अनुसार है :-

बिहार पब्लिक, हाई स्कूल वर्ष 1994

DOT नगरपालिका पारा नॉडल कॉलेज भागलपुर 2009

(प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा के ब्यौरे देते हुए विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरा दें)



भाग-ख

(11) भाग-क के (1) से (10) तक में दिए गये ब्यौरे का उद्धरण

1	अभ्यर्थी का नाम	श्री/श्रीमती/कुं संजय कुमार				
2	डाक का पता	श्री. प. कुमार, नाला-282002 जिला - नालन्दा				
3	निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य	29 नालन्दा (वि. 12)				
4	उस राजनैतिक दल का नाम जिसने अभ्यर्थी को खड़ा किया है (अन्यथा स्वतंत्र लिखें)	शून्य				
5	(i) ऐसे लंबित मामलों की कुल संख्या जिनमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय अपराधों के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किए गए हैं।	शून्य				
	(ii) ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें न्यायालय (न्यायालयों) ने संज्ञान लिया है (उपर मद (i) उल्लिखित मामलों से मिन)	शून्य				
	ऐसे कुल मामलों की संख्या जिनमें सिद्धदोष ठहराया गया एक वर्ष या उससे अधिक के लिए कारावास से और दंडित किया गया है। (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8 की उपधारा (1), उपधारा (2) या उपधारा (3) में निर्दिष्ट अपराधों के सिवाए)	शून्य				
 का स्थायी लेखा सं०	वह वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है	कुल दंडित आय			
	(क) अभ्यर्थी	BHSPK 4803R	शून्य	शून्य		
	(ख) पति या पत्नी	DJJPK 3242R	शून्य	शून्य		
	(ग) आश्रित	शून्य	शून्य	शून्य		
8	आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे (रूपये में)					
	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
क	जंगम आस्तियां (कुल मूल्य)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य



ख	स्थावर आस्तियां	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}
I.	स्वअर्जित स्थावर संपत्ति की क्रय कीमत	2,00,000/- आवासीय 1,00,000/-	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}
II.	क्रय के पश्चात् स्थावर संपत्ति की विकास/संनिर्माण लागत (यदि लागू हो)	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}
III.	निम्नलिखित की अनुमानित वर्तमान बाजार कीमत	4,00,00,000/-	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}
	(क) स्वर्जित आस्तियां (कुल मूल्य)		23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}
	(ख) विरासती आस्तियां (कुल मूल्य)	4,00,00,000/-	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}
	दायित्व	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}
	सरकारी शोध्य (कुल)	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}
	(ii) बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}
10	ऐसे दायित्व जो विवादाधीन हैं					
	(i) सरकारी शोध्य (कुल)	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}
	(ii) बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}	23 ^{वा}
11	उच्चतम शैक्षिक अर्हता : बै. शै.क					



(प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए, उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा, विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरे दें।)

सत्यापन

मैं, उपर उल्लिखित अभिसाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूँ कि इस शपथपत्र की विषय-वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है तथा इसमें से कोई भी तात्त्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मैं यह और घोषणा करता हूँ कि :-

(क) मेरे विरुद्ध उपर भाग क और ख की मद 5 और 6 में उल्लिखित दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामलें से भिन्न कोई दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामला नहीं है;

(ख) मेरी पति या पत्नी या मेरे आश्रितों के पास उपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8, 9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या दायित्व से भिन्न कोई आस्ति या दायित्व नहीं है।

आज तारीख 22/3/14 को सत्यापित किया गया।

सो जय कुमार
अभिसाक्षी



टिप्पण 1. शपथपत्र नामांकन फाइल करने के अंतिम दिन को 3:00 बजे अपराह तक फाइल किया जाना चाहिए।
टिप्पण 2. शपथपत्र पर किसी शपथ कमिश्नर या प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट के समक्ष या किसी नोटरी पब्लिक के समक्ष शपथ ली जानी चाहिए।

टिप्पण 3. सभी स्तंभों को भरा जाना चाहिए और कोई स्तंभ खाली न छोड़े, यदि किसी मद के संबंध में देने के लिए कोई जानकारी नहीं है तो, यथास्थित "शून्य" या "लागू नहीं होता" उल्लिखित किया जाना चाहिए।

टिप्पण 4. शपथपत्र टंकित या सुपाठ्यरूप से साफ-साफ लिखित होना चाहिए।

टिप्पण - 5 माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 13.09.2013 को WP(C) संख्या 121-2008 में रिसर्जस इंडिया बनाम भारत निर्वाचन आयोग एवं अन्य, के मामले में अभ्यर्थियों द्वारा अपूर्ण शपथ-पत्र दाखिल किये जाने के संबंध में दिए गये न्याय निर्णय के आलोक में अभ्यर्थी द्वारा शपथ पत्र के सभी स्तंभों को भरा जाना है। कोई भी स्तंभ खाली नहीं छोड़ा जा सकता है। शपथ पत्र प्रस्तुत किये जाते समय निर्वाची पदाधिकारी द्वारा यह जाँच कर लिया जाना है कि नाम निर्देशन पत्र के साथ दाखिल किये गये शपथ पत्र के सभी स्तंभ भर



लिए गये हैं, अगर ऐसा नहीं किया गया है तो निर्वाची पदाधिकारी, अभ्यर्थी को खाली स्तंभों के स्तंभ में जानकारी उपलब्ध कराने हेतु स्मार देंगे। माननीय न्यायालय का न्याय निर्णय है कि अगर किसी मद में उपलब्ध कराये जाने हेतु कोई जानकारी नहीं है तो 'शून्य' या 'लागू नहीं' या 'ज्ञात नहीं' जो उपयुक्त हो, ऐसे स्तंभ में दर्ज किये जायेंगे। उनके द्वारा कोई भी स्तंभ खाली नहीं छोड़ा जाना है। यदि अभ्यर्थी स्मार दिये जाने के बाद भी स्तंभ को भरे जाने में असफल होता है तो नाम निर्देशन पत्र की संवीक्षा के समय नाम निर्देशन पत्र निर्वाची पदाधिकारी द्वारा अस्वीकृत कर दिये जायेंगे।

टिप्पण-6 शपथ पत्र के पारा 3 में जानकारी निम्नलिखित रूप में उपलब्ध करायी जायेगी।

मेरे दूरभाष सम्पर्क संख्या/संख्यायें हैं/हैं 8873873613, 8862828133

मेरा ई-मेल आई०डी० (अगर कोई हो) है 2307

एवं मेरा सोशल मीडिया एकाउंट्स (अगर कोई हो) है 2307



I identify the Signature / L.T.I. of
deponent... Sanjay Kumar
who has Signed, or put his/her L.T.I.
in my presence.

Vijay Das
Advocate
Enrollment No. 2516601
22/3/2014

